Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to ensure remunerative price of agricultural produce and announcement of full farm loan – waiver.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले)ः अब लगभग हमारी आजादी के 70 वर्ष के पश्चात् कृषि प्रधान देश भारत में किसान की दशा अत्यंत खराब हो गयी है और इस विषय पर पक्ष तथा विपक्ष दोनों को विचार करना होगा। विगत कुछ समय में किसानों की आत्महत्याओं में बढ़ोत्तरी, सूखे तथा बाढ़ के प्रकोप के चलते एवं प्राकृतिक आपदाओं के फलस्वरूप त्रासदी तथा पुलिस प्रशासन के कठोर रवैये, जैसे कि मध्य प्रदेश के मंदसौर में किसानों की हत्या जैसे हालातों से उभरा किसान विद्रोह अब उच्चतम स्तर पर पहुँच चुका है। मंदसौर के किसानों की शहादत ने अन्य राज्यों के किसानों में व्याकुलता एवं रोष बढ़ा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप स्थिति विस्फोटक हो गयी है।

मैंने अखिल भारतीय किसान संघर्ष समिति, जिसमें 150 से अधिक देशभर के छोटे-बड़े किसान संगठन शामिल हैं, के साथ बीते 6 जुलाई से मध्य प्रदेश के मंदसौर से "किसान मुक्ति यात्रा" शुरू की जो कि किसानों की शहादत के एक माह पूर्ण होने पर एक श्रद्धांजलि थी। यह यात्रा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा होते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 जुलाई को किसान धरने में परिवर्तित हो गई।

, मैंने किसानों की जो दशा इस यात्रा के दौरान देखी वह एक भयावह स्वपन की तरह है, जिसका उल्लेख कर पाना अत्यंत पीड़ादायक होगा। किसानों की ऋण माफी के विषय पर दश की राजधानी में बैठकर विरोध में बोलना सुगम और सरल हो सकता है, किन्तु उचित कतई नहीं।

मैं सरकार से विनती करना चाहूँगा तथा माननीय प्रधानमंत्री जी को उनके द्वारा बीते आम चुनावों में तथा हाल के राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिए गए भाषणों में उल्लेखित वायदों को याद दिलाना चाहूँगा कि किसानों को कर्ज से मुक्ति तथा उनकी फसल का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य दिया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अतः मैं अपने वक्तव्य को संक्षिप्त करते हुए मुख्य दो बिन्दुओं पर केन्द्रित करना चाहूँगा।

किसानों को उसकी फसल की लागत से 50 प्रतिशत अधिक दाम दिलवाया जाए तथा यह सभी किसानों को हर फसल और हर परिस्थिति में मिले और यदि किसान इस राशि से कम दाम में फसल बेचने को मजबूर होता है तो सरकार उस कमी की भरपाई करे।

किसान को एक बार पूर्ण ऋणमुक्ति दे दी जाए।